पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने डा0 राम मनोहर लोहिया को श्रद्धांजलि अर्पित की
डा0 लोहिया विपक्षी एकता के शिल्पकार थे - श्री नाईक

लखनऊः 23 मार्च, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज डा0 राम मनोहर लोहिया की 105वीं जयन्ती के अवसर पर लोहिया पार्क स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके तथा उनके चित्र पर माल्यार्पण करके अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री, श्री अखिलेश यादव, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री मुलायम सिंह यादव, सांसद, श्री राम गोपाल यादव, मंत्री शिवपाल सिंह यादव, श्री राजेन्द्र चैधरी, श्री मनोज पाण्डेय व मंत्रिमण्डल के अन्य सदस्यगण सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राज्यपाल ने आदरांजलि देने के पश्चात अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि डा0 राम मनोहर लोहिया बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। वे एक प्रसिद्ध समाजवादी विचारक, लेखक, भाषाकार, अर्थशास्त्री एवं मौलिक चिन्तन करने वाले दार्शनिक राजनेता थे। डा0 लोहिया ने स्वाधीनता आन्दोलन में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था। मेरा उनसे पुराना सम्पर्क रहा है। सन् 1963 में गोरेगाॅंव मुम्बई से उन्होंने उप चुनाव लड़ा था। डाॅ0 लोहिया में विपक्ष को साथ लेकर चलने की अद्भुत क्षमता थी। उन्होंने कहा कि डा0 लोहिया विपक्षी एकता के शिल्पकार थे।

श्री नाईक ने कहा कि डा0 लोहिया का रहन-सहन सादगी भरा था। कठोर परिश्रम और समाज हित उनके लिये सर्वोपरि था। शिक्षा ग्रहण के संबंध में उन्होंने इंग्लैण्ड जाने से इसलिये मनाकर दिया कि जिस देश ने हमारी मातृभूमि को गुलाम बना रखा है, उस देश में शिक्षा ग्रहण करने का कोई औचित्य नहीं है। डा0 लोहिया ने अपने पढ़ाई जर्मनी में की। उनका मानना था कि माक्र्सवाद में कहीं खामी है जो संसार को शोषण से मुक्ति नहीं दिला सकती। डा0 लोहिया ने इस संबंध में 'माक्र्सवाद के बाद अर्थशास्त्र' विषय पर एक पुस्तक भी लिखी थी। अनेक विदेशी भाषाओं पर उनका प्रभुत्त था, लेकिन उनका मत था कि हिन्दी व क्षेत्रीय भाषाओं का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग हो। उन्होंने कहा कि डाॅ0 राम मनोहर लोहिया के जीवन आदर्शों व सिद्धांतों से प्रेरणा प्राप्त करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

राज्यपाल ने कहा कि चित्रकूट में रामायण मेला का शुभारम्भ करने की कल्पना उनके द्वारा की गयी थी। आज भी देश-विदेश से लोग चित्रकूट के मेले में आते हैं। उनका मानना था कि रामायण सांस्कृतिक जीवन में सर्वोपरि है तथा रामायण मेला के आयोजन से देश में एकता, भातृत्व भावना जागेगी और पिछड़ा क्षेत्र होने के कारण चित्रकूट की समस्याओं का समाधान भी होगा। उन्होंने कहा कि डाॅ0 लोहिया का मानना था कि नैतिक सुधार की दिशा में भी रामायण मेला प्रभावकारी सिद्ध होगा।

इस अवसर पर सांसद एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव, डाॅ0 रामगोपाल यादव द्वारा डाॅ0 राम मनोहर लोहिया पर लिखित पुस्तक का विमोचन भी हुआ।

राम मनोहर लोहिया के जन्म दिवस पर
राम मनोहर लोहिया पार्क
का
लोकार्पण
श्री मुलायम सिंह यादव

राम मनोहर लोहिया पार्क
का
लोकार्पण

महान समाजवादी चिन्तक
डॉ0 राम मनोहर लोहिया
का